बढ़ता ताप, सिकुड़ते पक्षी

पर्यावरण में हो रहे बदलाव की वजह से शारीरिक रूप से सिकुड़ती जा रही प्रजातियों की सूची लंबी होती जा रही है। धरती का तापमान बढ़ने से लगातार दुबले-पतले होते जा रहे पेड़ों और भेड़ों की जमात में अब पक्षी भी शामिल हो गए हैं।

बीती शताब्दी के दौरान क्या पक्षियों के आकार में कोई परिवर्तन हुआ है, यह पता लगाने के लिए ऑस्ट्रेलियन नेशनल युनिवर्सिटी, कैनबरा के जेनेट गार्डनर और उनके सहयोगियों ने एक संग्रहालय में रखे 517 पक्षियों के डैनों का फैलाव नापा। मूल रूप से ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले पक्षियों की इन 8 प्रजातियों का संग्रह सन् 1860 से 2001 के दौरान किया गया था। *प्रोसीडिंग्स ऑफ दी रॉयल सोसायटी बी* में उन्होंने बताया है कि इनमें से 4 प्रजातियों का आकार पिछले 100 वर्षों में 4 प्रतिशत तक कम हो गया है।

इस घटती साइज़ की व्याख्या दो कारकों द्वारा की जा सकती है। हो सकता है कि पर्यावरण में लगातार आ रही गिरावट ने पक्षियों का आहार कम कर दिया है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि बढ़ते तापमान में छोटे आकार के पक्षियों को फायदा मिलता है। हो सकता है कि छोटा आकार शरीर को आसानी से ठंडा रखने की सुविधा देता हो। यदि परों की लम्बाई को पोषण का द्योतक माना जाए, तो शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि छोटे पक्षी अपने पूर्वजों की अपेक्षा कम पोषित तो नहीं हैं। यानी वैश्विक तपन ही इसका कारण हो सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***